प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

समेटी–उत्तराखण्ड द्वारा प्रशिक्षण मौनपालनः स्वरोजगार का सशक्त माध्यम का आयोजन

पंतनगर। 20 दिसम्बर 2025। समेटी–उत्तराखण्ड द्वारा 'मौन पालनः स्वरोजगार का सशक्त माध्यम' प्रशिक्षण का आयोजन 16 से 19 दिसम्बर, 2025 तक किया गया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने उपस्थित कृषकों से कहा कि वे मौन पालन अपनाकर एक सशक्त रोजगार का माध्यम बना सकते हैं। उन्होंने पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली मधुमक्खियों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इनसे बने शहद की बाजार में निरन्तर कई गुना मांग बढ़ रही है और शहद के पैकेजिंग व ब्रांडिंग कर खुले बाजार व ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का प्रयोग करते हुए विक्रय करने की सलाह दी। समेटी समन्वयक डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक, सस्य विज्ञान ने प्रतिभागियों का स्वागत करने के साथ–साथ समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षणों की रूप–रेखा इत्यादि के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से सीखे तकनीक अपने तक सीमित न रखते हुए अपने क्षेत्र के अन्य युवा कृषकों को भी साझा करें। उन्होंने कीट विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. प्रमोद मल्ल व उनके विभाग के वैज्ञानिकों का प्रशिक्षण में भरपूर सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया। प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के कीट रोग विज्ञान विभाग से जुड़े वैज्ञानिकों द्वारा आधुनिक मौन पालन एवं भविष्य में विकास की सम्भावनाएं, मधुमक्खियों का जीवन–चक्र, मौनचर एवं कीटनाशी, फसलों में परागण एवं उनका महत्व, मौनचर एवं मौनालय स्थानान्तरण एवं प्रबन्धन, जैविक मौन पालन प्रबन्धन, पर्वतीय क्षेत्रों में परम्परागत ढंग से पल रही *(Apis Cerena Indica)* मौनों का संर्वधन, मधुमक्खी पालन के प्रमुख उपकरण एवं उनका प्रयोग, मौन वाटिका एवं रानी की ऋतुवार देखभाल, मधुमक्खियों में लगने वाली प्रमुख बीमारियों एवं शत्रुओं का प्रबन्धन, मौन पालन में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न उपकरण एवं उनका उपयोग, मधुमक्खी पालन व्यवसाय की आर्थिक विवेचना एवं मोटे अनाज उत्पादन में मौन पालन की उपयोगिता और योगदान जैसे तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रदर्शन एवं प्रयोगात्मक शिक्षण हेतु प्रतिभागियों को मधुमक्खी पालन शोध एवं प्रशिक्षण केन्द्र में भ्रमण कराया गया जहां उन्हें मौन पालन सम्बन्धित नवीनतम विकसित तकनीक और विधायें सिखाई गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–नैनीताल, टिहरी गढ़वाल, ऊधमसिंह नगर, अल्मोड़ा, पौड़ी–गढ़वाल, रूद्रप्रयाग एवं देहरादून के 52 मधुमक्खी पालकों, उद्यान, कृषि, आतमा के अधिकारी एवं प्रगतिशील कृषकों द्वारा भाग लिया गया।